SUNDAY | 27.11.2022 | मार्गशीर्ष शुक्ल-चतुर्थी विक्रम संवत-2079

अमर उजाला

PAGE NO : 6 TOP

संविधान ही कराता है हमें आजाद देश के आजाद नागरिक की भावना का एहसास

प्रतिष्ठित वकील रमेश कुमार मल्होत्रा 'रम्मी बाबू' के नाम से जाना जाएगा रुविवि का नवीन मूट कोर्ट

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय के विधि विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ विधि विभाग के प्रथम तल पर नवनिर्मित मूट कोर्ट के उद्घाटन से हुआ।

इसका नाम रमेश कुमार मल्होत्रा 'रम्मी बाबू' मेमोरियल कोर्ट रखा गया है। इस मौके पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि यह संविधान ही है जो हमें आजाद देश का आजाद नागरिक होने का एहसास कराता है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि स्वर्गीय रम्मी बाबू उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट शिरीष मल्होत्रा के पिता थे। उन्होंने अपनी वकालत से लोगों को इंसाफ दिलाया। संविधान की उद्देशिका का पाठ विधि संकायाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने किया।

इसके बाद विधि विभाग की एल्यूमिनी प्रोफेसर डॉ. वंदना शर्मा, एडवोकेट शशिकांत तिवारी, डॉ. कुंदन सिंह राठौर, डॉ. गुरुदेव सिंह को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट तुषार चंद्रा और उनकी पत्नी को विधि विभाग के लिए पुस्तकें दान करने पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने एक्सपीरियंशियल लर्निंग ग्रुप लीगल क्लिनिक का भी उद्घाटन किया।

इसमें विधि विभाग के मुकदमे, ड्राफ्टिंग, कोर्ट स्किल आदि की ट्रेनिंग विद्यार्थियों को मिलेगी। इस दौरान कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार, चीफ प्रॉक्टर डॉ. एके सिंह, परीक्षा नियंत्रक संजीव सिंह, डॉ. पवन सिंह, डॉ. ज्योति पांडे, प्रो. एसके पांडे, प्रो. पीबी सिंह, प्रो. तूलिका सक्सेना, प्रो. जेएन मौर्य, प्रो. एसएस बेदी आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर रुविवि में हुआ मूट कोर्ट का उद्घाटन

संविधान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते प्रोफेसर के.पी. सिंह। विज्ञप्ति

एसआरएमएस में मनाया गया संविधान दिवस

बरेली। एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली स्थित संस्थानों में शनिवार को भारतीय संविधान दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों को संविधान निर्माण की जानकारी देने के साथ इससे संबंधित महापुरुषों के बारे में बताया गया। संविधान की जानकारियों से संबंधित क्विज, एक्सटेंपो, शैक्षिक प्रतियोगिता के क्रम में कुताशी, मुकेश और साक्षी विजेता रहे। एसआरएमएस कॉलेज ऑफ लॉ और एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कॉलेज के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. नसीम अख्तर और एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च के प्रिंसिपल डॉ. एसएल मौर्य, एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. प्रभाकर गुप्ता, प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. अनुज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीपक गुप्ता ने भारतीय संविधान पर व्याख्यान दिया। ब्यूरो

'मौलिक कर्तव्य याद दिलाते हैं जिम्मेदारियां'

बरेली। कलक्ट्रेट सभागार में डीएम की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को संविधान के प्रति कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करने की शपथ दिलाई। कहा, संविधान का उद्देश्य नागरिकों में सांविधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान बढ़ाना है। मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं वहीं, मौलिक कर्तव्य जिम्मेदारियां याद दिलाते हैं। इस दौरान एडीएम सिटी डॉ. आरडी पांडेय, एडीएम प्रशासन ऋतु पूनिया, एडीएम एफआर संतोष बहादुर सिंह व अन्य मौजूद रहे। ब्यूरो

आजादी को अमृतमय बनाने की दी जानकारी

बरेली। बरेली कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर 'सांविधानिक मूल्यों की विरासत-हमारा उत्तरदायित्व' कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि उप प्राचार्य प्रो. पंपा गौतम रहीं। मुख्य वक्ता प्रो. रीना अग्रवाल ने विभाजन की त्रासदी की पीड़ा बताते हुए आजादी को अमृतमयी बनाने के लिए युवा पीढ़ी को उसके दायित्व समझाए। विशिष्ट वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. वंदना शर्मा रहीं। ब्यूरो

सांविधानिक मूल्यों की दी जानकारी

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा संविधान दिवस पर हुए कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने भारतीय संविधान के सूत्रधार डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का स्मरण कर उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की जानकारी दी। सांविधानिक मूल्यों और मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित वक्तव्य, भाषण प्रतियोगिता, संविधान निर्माण आदि कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ब्यूरो